हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

कक्षा-XII विषय: समाजशास्त्र कोड : 585

MARKING SCHEME

वर्ष 2024 – 2025

सामान्य निर्देश : -

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ट बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर अंतिम नहीं है । ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे अलग या भिन्न, परन्तु सही या उपयुक्त उत्तर दिया है, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

   The objective of the marking scheme is to make evaluation as objective as possible. The answers given in the marking scheme are not final. This is suggestive and symbolic. If the candidate answer different then given answer but it is correct and appropriate, marks should be awarded to student.

2. सही, शुद्ध, सार्थक व सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।

   Correct, righteous, meaningful and accurate answers should be given due weightage.

3. परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

   Full marks should be given to the candidate for writing the correct answer as expected.

4. वर्तनीगत अशुद्धियों एवम् विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर परीक्षार्थी को प्रोत्साहित ना करें।

   Do not encourage the candidate by giving more marks in case of spelling mistakes and digression.

5. बहु-वैकल्पिक प्रश्न – यदि परीक्षार्थी ने दो प्रयास किये गए है तथा दोनों में से एक सही तथा एक गलत है तो सही वाले प्रयास को सही उत्तर मानते हुए अंक दिए जाएं, और यदि किसी भी उत्तर को काटा नहीं गया है या दोनों उत्तरों को काटा गया है तो भी सही उत्तर को ध्यान में रखते हुए अंक दिए जाएं।

   Multiple-choice questions – If the candidate has made two attempts and one of them is correct and one is wrong, then marks will be awarded considering the correct attempt as the right answer, and if no answer has been struck off or both Even if the answers have been crossed out, marks should be awarded keeping in view the correct answer.

6. समस्त मुख्य-परीक्षकों / उप-परीक्षकों को निर्देश दिया जाता है कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूर्णतया गलत पाया जाता है तो गलत उत्तर को (x) अंकित कर '0' अंक प्रदान किये जाएं।

Download from www.MsEducationTv.com

All the Chief-Examiners/Sub-Examiners are instructed that while evaluating the answer sheets, if the answer is found completely wrong, then the wrong answer should be marked (x) and given '0' marks.

7. लघुउत्तरात्मक प्रश्नों में जिनमे दो विशेषताएं, बिंदु पूछे गये है यदि परीक्षार्थी ने दोनों बिंदु सही लिखे है, या पांच बिंदु लिखे है जिनमें से कोई भी दो सही हो तो भी दो सही व उचित उत्तरों को सही मानते हुए अंक दिए जाएं।

   In short answer type questions in which two points are asked, if the examinee has written both the points correctly, or has written five points out of which any two are correct, even then marks should be given considering two correct and appropriate answers as correct.

8. भागवार तथा अंकवार बांटे गए प्रश्न के उत्तर का मूल्यांकन भी भागवार तथा अंकवार ही किया जाना चाहिए, जितना भाग परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है, उस भाग हेतु निर्धारित पूर्ण अंक प्रदान किये जाएं। वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर जांच करते समय परीक्षक अपने विवेकानुसार अंकन कर सकता है परन्तु परीक्षार्थी को सकारात्मक अंकन किया जाएं।

   The answer to the question paper distributed part-wise and number-wise should also be evaluated part-wise and number-wise, full marks should be awarded for that part for which the candidate has given the correct answer. While checking the answers to the descriptive type questions, the examiner can mark according to his discretion, but the candidate should be given positive marking.

9. भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति- कौशल पर ध्यान दिया जाएं।

   Attention should be paid to language-ability and expression-skills.

10. मुख्य-परीक्षकों / उप-परीक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल सामान्य निर्देश/ मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जा रहा है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, उत्तर स्पष्ट ना हो, उत्तर निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग हो तो परीक्षक, मुख्य परीक्षक से विचार- विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

    Only general instructions/guidance is being provided to the Chief-Examiners/Sub-Examiners to evaluate the answer sheets, if there is any error in the evaluation instructions, the answer is not clear, from the answer given in the answer instructions If there is a difference, the examiner, after discussing with the chief examiner, evaluates that question according to his discretion.

11. प्रश्न पत्र में कुल **38** प्रश्न है। प्रश्न पत्र कुल चार भागों में विभक्त है।

    There are total 38 questions in the question paper. The question paper is divided into total four parts.

12. भाग 1 में क्रम संख्या 01 व 20 तक के प्रश्न शामिल है, सभी प्रश्न 1-1 अंक के है।

    Section A consists of questions up to serial number 01 and 20, each questions is carrying 1 mark.

Download from www.MsEducationTv.com

13. भाग 2 में क्रम संख्या **21** से **29** तक के प्रश्न शामिल है, सभी प्रश्न 2-2 अंक के है सभी प्रश्न अति लघुउत्तरात्मक है, उत्तर अधिकतम 30 शब्दों से अधिक ना हो।

Section B consists of questions from serial number 21 to 29, all questions are of 2 marks each, all questions are very short answer type, answer should not exceed the maximum limit 30 words.

14. भाग 3 में क्रम संख्या **30** से **35** तक के प्रश्न शामिल है, सभी प्रश्न 4-4 अंक के है सभी प्रश्न लघुउत्तरात्मक है, उत्तर अधिकतम 80 शब्दों से अधिक ना हो।

Section C includes questions from serial number 30 to 35, all questions are of 4 marks each, all questions are short answer type, answer should not exceed limit maximum 80 words.

15. भाग 4 में क्रम संख्या **36** से **38** तक के प्रश्न शामिल है, सभी प्रश्न 6 -6 अंक के है सभी प्रश्न दीर्घ उत्तरात्मक है, उत्तर अधिकतम 200 शब्दों से अधिक ना हो, प्रश्न सं. **36** का उत्तर गद्यांश की सहायता से दिया जाना है।

Section D consists of questions from serial number 36 to 38, all questions carry 6 marks each, all questions are long answer type, answer should not exceed limit 200 words, question no. 36 is to be answered with the help of the passage.

प्रश्न सं.	प्रश्न	अंक
	भाग – 1 **PART – A**	
1	समाजशास्त्र आपकी व्यक्तिगत परेशानियों एवम् सामाजिक मुद्दों के बीच कड़ियाँ और सम्बंधो को उजागर करने में मदद कर सकता है	उक्त कथन किसका है ? (अ) सी. राईट मिल्स (ब) मैक्स वेबर (स) दुर्खिम (द) एडम स्मिथ Sociology can help you uncover links and connections between your personal problems and social issues. Whose statement is this? (a) C. Wright Mills (b) Max Weber (c) Durkheim (d) Adam Smith	1
उत्तर	**(अ) सी. राईट मिल्स** **(a) C. Wright Mills**	

Download from www.MsEducationTv.com

2	कार्यशील वर्ग में आमतोर पर कोनसे आयु वर्ग को शामिल किया जाता है ? (अ) 15 – 60 (ब) 15 – 65 (स) 15 – 64 (द) 15 – 62 Which age group is generally included in the working class? (a) 15 – 60 (b) 15 – 65 (c) 15 – 64 (d) 15 – 62	1
उत्तर	**(स) 15 – 64** **(c) 15 – 64**	
3	कौनसी जनगणना के अन्तर्गत जाति के सामाजिक अधिक्रम के बारे में जानकारी एकत्रित करने का प्रयास किया गया ? (अ) 1921 (ब) 1901 (स) 2011 (द) 1881 Under which census was an attempt made to collect information about the social hierarchy of castes? (a) 1921 (b) 1901 (c) 2011 (d) 1881	1
उत्तर	**(ब) 1901** **(b) 1901**	
4	नाकरट्टारो की बैंकिंग व्यवस्था किस पर आधारित थी ? (अ) धर्म (ब) वर्ण (स) वर्ग (द) जाति On what was the banking system of Nakarattaro based? (a) religion (b) character (c) class (d) caste	1
उत्तर	**(द) जाति** **(d) caste**	

Download from www.MsEducationTv.com

5	सामाजिक संसाधन पूंजी को तीन रूपों में आर्थिक, सांस्कृतिक व सामाजिक पूंजी के रूप में किसने विभाजित किया ? (अ) मैक्स वेबर (ब) एडम स्मिथ (स) पीटर बोर्दयू (द) माल्थस Who divided social resource capital into three forms: economic, cultural & social capital? (a) Max Weber (b) Adam Smith (c) Peter Bourdieu (d) Malthus	1
उत्तर	**(स) पीटर बोर्दयू** **(c) Peter Bourdieu**	
6	गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या का प्रतिशत (2011–2012) के अनुसार ग्रामीण भारत में कितने रुपये से कम प्रति व्यक्ति प्रति माह व्यय करने वाले को गरीबी की श्रेणी में रखा गया है ? (अ) 816 (ब) 1000 (स) 2000 (द) 916 According to the percentage of population below the poverty line (2011–2012), people who spend less than how many rupees per person per month in rural India are classified as poor? (a) 816 (b) 1000 (c) 2000 (d) 916	1
उत्तर	**(ब) 1000** **(b) 1000**	
7	जनजातीय लोग बाहरी लोगों जैसे व्यापारी, साहूकार, मिशनरी, हिंदू जमींदार और अंग्रेज आदि के लिए किस शब्द का प्रयोग करते थे ? (अ) जजमान (ब) डिक्कू (स) आक्रान्ता (द) कमिन Which word did the tribal people use for outsiders like traders, moneylenders, missionaries, Hindu landlords and British etc.? (a) Jajman (b) Dikus (c) Aggressor (d) Kamin	1
उत्तर	**(ब) डिक्कू** **(b) Dikus**	

Download from www.MsEducationTv.com

8	1956 में राज्य पुनर्गठन आयोग ने किस आधार पर भारत का नया नक्शा तैयार करने का समादेश दिया ? (अ) जाति (ब) धर्म (स) सांस्कृतिक (द) भाषायी On what basis did the State Reorganization Commission give the order to prepare a new map of India in 1956? (a) caste (b) religion (c) cultural (d) linguistic	1
उत्तर	**(द) भाषायी** **(d) linguistic**	
9	सूचना का अधिकार अधिनियम कब लागू हुआ ? (अ) 15 जून 2005 (ब) 13 अक्टूबर 2005 (स) 26 जनवरी 2005 (द) 13 सितम्बर 2005 When did the Right to Information Act come into force? (a) 15 June 2005 (b) 13 October 2005 (c) 26 January 2005 (d) 13 September 2005	1
उत्तर	**(ब) 13 अक्टूबर 2005** **(b) 13 October 2005**	
10	कथन सही करे - राष्ट्र की व्याख्या करना कठिन है परन्तु परिभाषित करना सरल है। Correct the statement - Nation is difficult to explain but easy to define.	1
उत्तर	**राष्ट्र की व्याख्या करना सरल है परन्तु परिभाषित करना कठिन है।** **Nation is easy to explain but difficult to define.**	
11	अनुच्छेद ..... व..... में अपनी भाषा, लिपि व संस्कृति को बनाये रखने का अधिकार है ? In Article..... and..... we have the right to maintain our language, script and culture.	1
उत्तर	**अनु. 29 व 30** **Article 29 and 30**	
12	राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक है ? Is it an obstacle to national integration?	1
उत्तर	**साम्प्रदायिकता** **communalism**	
13	एक देश का दूसरे देश पर शासन ..... कहलाता है । The rule of one country over another country is called……..	1
उत्तर	**उपनिवेशवाद** **Colonialism**	

Download from www.MsEducationTv.com

14	अभिकथन (अ) औपनिवेशिक सरकार गलत तरीकों से मजदूरों की भर्ती करती थी । कारण (ब) औपनिवेशिक सरकार मजदूरों के स्वास्थ्य व सुविधाओं का पूरा ध्यान रखती थी । (अ) अ व ब दोनों सत्य है ब, अ की सही व्याख्या करता है (ब) अ व ब दोनों सत्य है ब, अ की सही व्याख्या नहीं करता है (स) अ सत्य है ब असत्य है (द) अ व ब दोनों असत्य है Assertion (A) The colonial government used to recruit laborers through unfair means. Reason (b) The colonial government took full care of the health and facilities of the workers. (a) Both A and B are true and B is the correct explanation of A. (b) Both A and B are true but B does not explain A correctly. (c) A is true B is false (d) Both A and B are false	1
उत्तर	**(स) अ सत्य है ब असत्य है** **(c) A is true B is false**	
15	मुफ्त में की गयी मजदूरी ..... कहलाती है। Labor done for free is called.....	1
उत्तर	**बेगार** **Begar**	
16	अभिकथन (अ) हरित क्रांति ने समाज में विभेदीकरण को बढ़ावा दिया । कारण (ब) अन्य कई क्षेत्रों में मजदूरों को मांग के कारण मजदूरों की मांग व उनकी मजदूरी में भी इजाफा हुआ । (अ) अ व ब दोनों सत्य है ब, अ की सही व्याख्या करता है (ब) अ व ब दोनों सत्य है ब, अ की सही व्याख्या नहीं करता है (स) अ सत्य है ब असत्य है (द) अ व ब दोनों असत्य है Assertion (A) Green Revolution promoted differentiation in the society. Reason (b) Due to demand for laborers in many other sectors, demand for laborers and their wages also increased. (a) Both A and B are true and B is the correct explanation of A. (b) Both A and B are true but B does not explain A correctly. (c) A is true B is false (d) Both A and B are false	1
उत्तर	**(b) Both A and B are true but B does not explain A correctly.** **(ब) अ व ब दोनों सत्य है ब, अ की सही व्याख्या नहीं करता है**	
17	वह सिद्धान्त जिसके अनुसार सामाजिक संघर्ष तब उत्पन्न होता है जब कोई सामाजिक समूह यह महसूस करता है कि वह आसपास के लोगों से खराब हालात में है। The theory according to which social conflict arises when a social group feels that it is in a worse situation than the people around it.	1
उत्तर	**सापेक्षिक वंचन का सिद्धान्त** **principle of relative deprivation**	

Download from www.MsEducationTv.com

18	नया किसान आन्दोलन 1970 में कौनसे राज्यों में प्रारंभ हुआ ? (अ) पंजाब (ब) हरियाणा (स) तमिलनाडु (द) अ व स In which states did the new farmers movement start in 1970? (a) Punjab (b) Haryana (c) Tamil Nadu (D) A and C	1
उत्तर	**(द) अ व स** **(D) A and C**	
19	मीडिया को लोकतंत्र का कौनसा स्तम्भ कहा जाता है ? (अ) पहला (ब) दूसरा (स) चौथा (द) पांचवा Which pillar of democracy is media called? (a) first (b) second (c) fourth (d) fifth	1
उत्तर	**(स) चौथा** **(c) fourth**	
20	ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) की स्थापना कब हुई ? (अ) 1936 (ब) 1947 (स) 1946 (द) 1957 When was All India Radio (Akashvani) established? (a) 1936 (b) 1947 (c) 1946 (d) 1957	1
उत्तर	**(अ) 1936** **(a) 1936**	
	भाग – 2 **PART – B**	
21	जनसांख्यिकीय लाभांश क्या है ? What is demographic dividend? अथवा जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर से क्या तात्पर्य है ? What is meant by replacement level of population?	2

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर	किसी देश की जनसंख्या संरचना में परिवर्तन के कारण होने वाली आर्थिक वृद्धि है, जो आमतौर पर प्रजनन और मृत्यु दर में गिरावट का परिणाम होता है। जनसांख्यिकीय लाभांश तब प्राप्त होता है जब कार्यशील जनसंख्या की उत्पादकता में वृद्धि होती है, जिससे प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होती है। यह जनसंख्या ढाँचे में बढ़ती युवा एवं कार्यशील जनसंख्या (15 वर्ष से 64 वर्ष आयु वर्ग) तथा घटते आश्रितता अनुपात के परिणामस्वरूप उत्पादन में बड़ी मात्रा के सृजन को प्रदर्शित करता है। Economic growth is caused by changes in the population structure of a country, which usually results from declining fertility and mortality rates. Demographic dividend is achieved when the productivity of the working population increases, thereby increasing per capita income. This reflects the creation of large amounts of output as a result of the increasing youth and working population (age group 15 to 64 years) and decreasing dependency ratio in the population structure.	2
22	जाति किसे कहते है ? What is caste? अथवा जनजाति किसे कहते है ? What is called tribe?	2
उत्तर	जाति व्यक्तियों का एक अंतर्विवाही समूह है जिसका एक सामान्य नाम होता है, एक परंपरागत व्यवसाय होता है, जिसके सदस्य एक ही स्रोत से अपनी उत्पत्ति का दावा करते हैं तथा काफी सीमा तक सजातीयता का प्रदर्शन करते हैं। A caste is an endogamous group of persons having a common name, a traditional occupation, whose members claim their origin from the same source and exhibit a considerable degree of endogamy.	2
23	वर्ण क्या है ? What is Varna?	2
उत्तर	वर्ण के कई अर्थ होते हैं, जैसे प्रकार, रंग या वर्ग। निरुक्त के वर्णो वृणोते सूत्र के अनुसार 'वर्ण' वह है, जिसका गुणानुसार परखकर वरण किया जाए। इसका उपयोग व्यक्तियों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। वर्ण वह है जिसको व्यक्ति अपने कर्म व स्वभाव के अनुसार चुनता है। Varna has many meanings, such as type, color or class. According to Nirukta's Varno Vrinote Sutra, 'Varna' is that which can be selected after examining it according to its qualities. It is used to refer to persons. Varna is that which a person chooses according to his actions and nature.	2
24	सांस्कृतिक विविधता से आप क्या समझते है ? What do you understand by cultural diversity? अथवा सांस्कृतिक विविधता की कोई दो चुनोतियां बताईये । Mention any two challenges of cultural diversity.	2

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर	धर्म, भाषा, सम्प्रदाय, जाति, प्रजाति, क्षेत्र आदि के आधार पर बंटे विभिन्न समुदायों की विविधता को सांस्कृतिक विविधता कहते हैं। भारत एक सांस्कृतिक विविधता भरा राष्ट्र है। यहाँ विविधता में एकता के दर्शन होते हैं। The diversity of different communities divided on the basis of religion, language, sect, caste, race, region etc. is called cultural diversity. India is a culturally diverse nation. Here unity in diversity is seen.	2
25	संरचनात्मक परिवर्तन से आप क्या समझते हैं ? What do you understand by structural change?	2
उत्तर	सामाजिक सम्बन्धों में होने वाले परिवर्तन को संरचनात्मक परिवर्तन कहते हैं। संयुक्त परिवारों का टूटना और एकाकी परिवारों का विकास होना संरचनात्मक परिवर्तन का उदाहरण है। The change taking place in social relations is called structural change. The breakdown of joint families and the growth of nuclear families are examples of structural change.	2
26	भारतीय संविधान से आप क्या समझते हैं ? What do you understand by Indian Constitution?	2
उत्तर	भारतीय संविधान एक आधारभूत कानूनी दस्तावेज है जिसके अनुसार देश की शासन प्रणाली क्रियान्वित होती है। यह सरकार के प्रमुख अंगों, उनके कार्य क्षेत्र एवं नागरिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करता है। The Indian Constitution is the basic legal document according to which the country's governance system is implemented. It ensures the major organs of the government, their areas of work and the rights of the citizens.	2
27	कृषक समाज किसे कहते हैं ? What is called farming society?	2
उत्तर	कृषक समाज या ग्रामीण समाज एक ऐसा समाज है जिसके सदस्यों की जीविका का साधन कृषि कार्य होता है। पीढ़ियों से उसके परिवार में कृषि से ही जीवन निर्वाह होता आया है। Agricultural society or rural society is a society whose members' means of livelihood is agricultural work. For generations, his family has been making a living through agriculture.	2
28	जनसंचार से क्या तात्पर्य है ? What is meant by mass communication?	2
उत्तर	जनसंचार सामान्य जनों का सूचना पहुँचाने की एक विस्तृत विधि है। इसके अन्तर्गत समाचार-पत्र, पत्रिकाएं, टेलीविज़न, फिल्में, रेडियो, फोन, मोबाइल कम्प्यूटर, इन्टरनेट आदि सभी उपकरणों का समावेश होता है। Mass communication is a comprehensive method of conveying information to the general public. It includes all the devices like newspapers, magazines, television, movies, radio, phone, mobile computer, internet etc.	2
29	सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक आन्दोलन में कोई एक अन्तर स्पष्ट कीजिए । Explain any one difference between social change and social movement.	2
उत्तर	सामाजिक परिवर्तन एक निरन्तर गतिमान प्रक्रिया है जो पूर्ववर्ती और बाद की स्थिति में अन्तर दर्शाती है जबकि सामाजिक आन्दोलन कुछ विशेष उद्देश्यों को लेकर चलाए जाते हैं। Social change is a continuously dynamic process which shows difference in the previous and subsequent situations whereas social movements are carried out with some specific objectives.	2

Download from www.MsEducationTv.com

	भाग – 3 **PART – C**	
30	जाति व्यवस्था में आए कोई चार समकालीन परिवर्तनों को समझाईये। Explain any four contemporary changes in the caste system. अथवा जाति की कोई प्रमुख चार विशेषताए बताईये। Mention any four main characteristics of caste.	1+1+ 1+1

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर	जाति-प्रथा की वर्तमान व्यवस्था को निम्नलिखित तथ्यों के आधार पर समझा जा सकता है - (1) **खानपान सम्बन्धी प्रतिबन्धों में परिवर्तन-** सब प्रकार के लोगों के इस्तेमाल से रेल, बस, रेस्ट्रोरेंट, होटल आदि के कारण खानपान सम्बन्धी प्रतिबन्ध कमजोर होते जा रहे हैं। (2) **व्यावसायिक प्रतिबन्धों में परिवर्तन** - उद्योग-धन्धों व विभिन्न व्यावसायिक प्रतिबन्धों का पालन स्वतः कमजोर होता जा रहा है। इसके अतिरिक्त युवा पीढ़ी के खुले विचार व्यवसायिक प्रतिबन्धों को कायम रखने में बाधक हो रहे हैं। (3) **उच्च जातियों का प्रभुत्व घटना** - विभिन्न जातियों के मध्य ऊँच-नीच का जो अधिक्रम पाया जाता था, नवीन संवैधानिक व्यवस्थाओं व व्यक्तिगत कुशलता के कारण टिक नहीं पा रहा है और परिणास्वरूप ब्राह्मणों के लाख कहने के बावजूद भी जाति-प्रथा को अनुपयोगी समझा जा रहा है। (4) **निम्न जातियों को समान अधिकार** - भारतीय संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों के द्वारा धर्म, जाति, लिंग, रंग आदि पर आधारित भेदभाव को समाप्त कर दिया गया है। इतना ही नहीं, वरन् गाँधी जी के प्रयास व सुधार आन्दोलन के फलस्वरूप कुछ नवीन सामाजिक अधिनियम भी बन गए हैं जो ऊँच-नीच पर आधारित भेदभाव की अनुमति नहीं देते हैं। (5) **विवाह सम्बन्धी प्रतिबन्धों में परिवर्तन**- विवाह के क्षेत्र में बने अधिनियम, शिक्षा, नगरीय प्रभाव, स्त्री-पुरुषों का साथ-साथ काम करना आदि के कारण विवाह सम्बन्धी प्रतिबन्ध ढीले पड़ते जा रहे हैं और प्रेम-विवाह, अन्तर्जातीय विवाह, विलम्ब से विवाह आदि को समाज पूरी तरह से स्वीकार रहा है। (कोई भी चार) The present system of caste system can be understood on the basis of the following facts – (1) Changes in dietary restrictions Due to the use of all types of people by rail, bus, restaurant, hotel etc., dietary restrictions are becoming weaker. (2) Changes in business restrictions: Compliance with industry and various business restrictions is automatically becoming weak. Apart from this, the open mindedness of the younger generation is becoming an obstacle in maintaining commercial restrictions. (3) Dominance of upper castes: The hierarchy of high and low which was found among different castes is not able to survive due to new constitutional arrangements and individual skills and as a result, despite the repeated efforts of Brahmins, the caste system is being considered useless. (4) Discrimination based on religion, caste, sex, color etc. has been abolished through various articles of the Indian Constitution, giving equal rights to the lower castes. Not only this, as a result of Gandhiji's efforts and reform movement, some new social acts have also been made which do not allow discrimination based on caste or caste. (5) Changes in restrictions related to marriage: Due to laws made in the field of marriage, education, urban influence, working together of men and women, etc., restrictions related to marriage are becoming looser and love marriage, inter-caste marriage, late marriage etc. The society has been completely accepting. (any four)	1+1+ 1+1

Download from www.MsEducationTv.com

31	भारत में भूमंडलीकरण व उदारीकरण के प्रमुख कोई चार प्रभाव बताईये। Mention any four main effects of globalization and liberalization in India.	1+1+ 1+1
उत्तर	भूमंडलीकरण एवं उदारीकरण की नीतियों के परिणामस्वरूप भारत में पिछले एक दशक के दौरान अनेक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष परिवर्तन हुए हैं। (1) संचार के क्षेत्र में उत्तम सेवाएँ - (Better Services in the Communication Sector) इस दौरान संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। इन्टरनेट तथा मोबाइल सेवाओं की वृद्धि, टेलीविजन तथा डाटा प्लान की सस्ती दर पर उपलब्धता विशेष उल्लेखनीय है। (2) विदेशी खाद्य प्रसंस्करण मैकडोनाल्ड, कैलोग, कम्पनियों का आगमन - (Entry of Foreign Food Processing Companies) भारत में पेप्सी, कोका-कोला जैसी फूड सॉफ्ट ड्रिंक कम्पनियों के प्रवेश से बाज़ार में इनके शीतल पेय और अन्य खाद्य उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। 3) उत्पादकों में प्रतिस्पर्धा (Competition amongst Producers) - भारत में लगभग अभी उत्पादों के निर्माण में कम्पनियों का एकाधिकार समाप्त हो चुका है। उदरीकरण के इस दौर में अब कोई भी फर्म या कम्पनी किसी भी वस्तु या सेवा के निर्माण में आसानी से आ सकती है। उसका प्रत्यक्ष लाभ उपभोक्ता को मिला है जिसे वस्तुओं में अधिक वैरायटी और वह भी मुनासिव दामों में मिली हैं। (4) आय तथा उपभोग में वृद्धि (Rise in Income and Consumption)- भूमंडलीकरण तथा उदारीकरण के फलस्वरूप अनेक क्षेत्रों में भारत में तेजी से प्रगति हुई है। फार्मा, इन्श्योरेन्स, सॉफ्टवेयर, टेलीकाम, इलेक्ट्रानिक्स प्रोडक्टस, इन्फ्रास्ट्रक्चर, संगठित बाज़ार, होटल, एयरलाइन्स, बैंकिग तथा वित्त सेवाएँ ऐसे कई औद्योगिक क्षेत्र हैं जहाँ लोगों को रोजगार मिला और कैरियर तेजी से आगे बढ़ा। बढ़ोतरी तया अधिक आय से लोगों ने अपने जीवन के स्तर को ऊपर उठाने के लिए अधिक वस्तुओं पर खर्चा किया। Many direct and indirect changes have taken place in India during the last decade as a result of the policies of globalization and liberalization. (1) Better Services in the Communication Sector - During this period, unprecedented changes have taken place in the field of communication. The growth of internet and mobile services, availability of television and data plans at affordable rates are particularly noteworthy. (2) Entry of Foreign Food Processing Companies - McDonald's, Kellogg's, etc. With the entry of food soft drink companies like Pepsi, Coca-Cola in India, there has been a flood of their soft drinks and other food products in the market. (3) Competition amongst Producers – In India, the monopoly of companies in manufacturing products has almost ended. In this era of liberalisation, any firm or company can easily get involved in the manufacturing of any good or service. Its direct benefit has been to the consumer who has got more variety in goods and that too at reasonable prices. (4) Rise in Income and Consumption- As a result of globalization and liberalisation, India has progressed rapidly in many areas. Pharma, Insurance, Software, Telecom, Electronics Products, Infrastructure, Organized Market, Hotels, Airlines, Banking and Financial Services are many such industrial sectors where people got employment and career progressed rapidly. With increased income, people spent more on goods to raise their standard of living.	1+1+ 1+1

Download from www.MsEducationTv.com

32	संस्कृतिकरण क्या है ? संस्कृतिकरण की अवधारणा की आलोचनात्मक व्याख्या करो। What is Sanskritisation? Critically explain the concept of Sanskritisation.	1 + 3

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर

समाजशास्त्रीय साहित्य में संस्कृतीकरण' की अवधारणा को लाने का श्रेय डॉ. एम. एन. श्री निवास को है। संस्कृतीकरण भारत में सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवर्तनों की व्याख्या करने की सर्वाधिक प्रभावशाली अवधारणा के रूप में सामने आई। संस्कृतीकरण की व्याख्या करते हुए डॉ. एम. एन. श्रीनिवास ने अपनी पुस्तक 'Social Change in Modern India' में लिखा है "संस्कृतीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई निम्न हिन्दू जाति या कोई जनजाति अथवा अन्य समूह किसी उच्च और प्रायः द्विज जाति की दिशा में अपने रीति-रिवाज, कर्मकाण्ड, विचारधारा और जीवन-पद्धति को बदलता है।"

संस्कृतीकरण की आलोचना के प्रमुख बिन्दु निम्नलिखित हैं -

(1) संस्कृतीकरण से कोई संरचनात्मक परिवर्तन नहीं होता है। (Sanskritisation does not lead Structural Change) - संस्कृतीकरण की अवधारणा में सामाजिक गतिशीलता या 'निम्न जातियों' का सामाजिक संस्तरण में ऊपर आने की बात को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर वर्णित किया गया है जबकि वास्तव में ऐसा नहीं होता है। संस्कृतीकरण की प्रक्रिया से कुछ ही लोगों की सामाजिक प्रस्थिति सुधरती है। सामाजिक संरचना में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होता है।

(2) संस्कृतीकरण की अवधारणा ऊँच-नीच का भेद करती है। (Concept of Sanskritisation differentiates between Upper and Lower) - संस्कृतीकरण की अवधारणा उच्च जातियों को उत्तम तथा निम्न जातियों को अधम होने की ओर संकेत करती है। इसलिए निम्न जातियाँ सामाजिक जीवन में उच्चता हासिल करने के लिए प्रयत्न करती हैं।

(3) संस्कृतीकरण का मॉडल असमानता और अपवर्जन को प्रमाणित करता दिखाई पड़ता है। (Sanskritisation seems to justify Inequality and Exclusion in Society) संस्कृतीकरण की प्रक्रिया समाज में लोगों के बीच 'शुद्धता' (Purity) और 'अशुद्धता' (Pollution) के विश्वास या भावना को बल देती है। यही कारण है कि समाज में ऊँची जातियाँ या समूह निम्न जातियों को नीचा दिखाना और उनका बहिष्कार करना अपना विशेषाधिकार समझती हैं। जिस समाज में इस प्रकार की ऊँच-नीच की भावना व्याप्त होती है, उसे एक समसमाज कैसे कहाँ जा सकता है।

(4) संस्कृतीकरण के परिणामस्वरूप उच्च जातियों के रीति-रिवाजों को अपनाने से दहेज प्रथा का प्रचलन बढ़ा है। (Due to adopation of Upper Caste Rites and Rituals practice of Dowry has risen-up) - संस्कृतीकरण का समाज में एक नकारात्मक प्रभाव यह हुआ है कि अन्य जातियाँ भी बनियों और राजपूतों की तरह अपने पुत्र-पुत्रियों के विवाह के अवसर पर दहेज लेने और देने लगे हैं। जबकि पहले निर्धनता की वजह से निम्न जातियाँ अपनी पुत्रियों के विवाह के समय में वर पक्ष से वधू मूल्य लिया करती थीं।

The credit for bringing the concept of 'Sanskritization' in sociological literature goes to Dr. M.N. To Sri Niwas. Sanskritisation emerged as the most influential concept to explain social and cultural changes in India. Explaining Sanskritisation, Dr. M.N. Srinivas has written in his book 'Social Change in Modern India' "Sanskritization is the process by which a lower Hindu caste or a tribe or other group changes its customs, rituals, ideology and way of life in the direction of a higher and usually Dwija caste."

Following are the main points of criticism of Sanskritisation –

(1) Sanskritisation does not cause any structural change.
(2) The concept of Sanskritisation differentiates between high and low.
(3) The model of Sanskritisation appears to validate inequality and exclusion.
(4) As a result of Sanskritisation, the practice of dowry has increased by adopting the customs and traditions of the upper castes.

Download from www.MsEducationTv.com

33	संगठित या औपचारिक क्षेत्र एवम् असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र में अंतर बताईये । Explain the difference between organized or formal sector and unorganized or informal sector. **अथवा** निम्न के बारे में समझाईये - 1. औधोगीकरण 2. भूमंडलीकरण Explain about the following – 1. Industrialization 2. Globalization	1+1+ 1+1 2 + 2
उत्तर	**संगठित या औपचारिक क्षेत्र -** • संगठित या औपचारिक क्षेत्र की इकाइयों में 10 या 10 से अधिक लोग पूरे वर्ष रोजगार प्राप्त करते हैं या कार्यरत रहते हैं। • सरकार के पास पंजीकृत हैं। • लाभ के साथ नौकरियां सुरक्षित हैं। • भर्ती अधिक पारदर्शी है। • शिकायतों और निवारण के लिए तंत्र हैं। **असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र -** • इकाइयों को सरकार के साथ पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। • कर्मचारियों को उचित वेतन, पेंशन और अन्य लाभ नहीं मिल पाते हैं। • नौकरियां सुरक्षित नहीं हैं। • भर्ती कम पारदर्शी है। Organized or formal sector – • 10 or more people are employed or are employed throughout the year in organized or formal sector units. • Registered with the Government. • Jobs are secure with benefits. • Recruitment is more transparent. • There are mechanisms for complaints and redressal. Unorganized or informal sector - • Units are not required to be registered with the government. • Employees do not get proper salary, pension and other benefits. • Jobs are not secure. • Recruitment is less transparent.	
34	भूमंडलीकरण के कोई चार प्रभाव संक्षेप में समझाइये । Briefly explain any four effects of globalization.	1+1+ 1+1

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर	भारत में वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप उत्पन्न इस नई अर्थव्यवस्था के प्रभावों की एक झाँकी इस प्रकार प्रस्तुत की जा सकती है - (1) राष्ट्रीय आय में वृद्धि - वैश्वीकरण और उदारीकरण ने भारत की राष्ट्रीय और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की है। 2007-08 में देश की राष्ट्रीय आय (वर्तमान मूल्यों पर) 40,31,881 करोड़ रुपए थी, जो 2022-23 में बढ़कर 274 लाख करोड़ रुपए हो गई है। (2) उद्योग-धन्धों का विकास - आर्थिक विकास की उच्चदर प्राप्त करने के लिए घरेलू पूँजी निवेश बढ़ाने में विदेशी पूंजी निवेश से काफी मदद मिली है। इसके द्वारा केवल घरेलू उद्योग को ही लाभ नहीं पहुंचा है, वरन् उपभोक्ताओं को उन्नत व तकनीकी प्रबन्ध कुशलता, मानव व प्राकृतिक संसाधनों का पूरा उपयोग भारतीय उद्योगों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में स्पर्धात्मक बनाने, निर्यात बाजारों को खोलने, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का सामान और सेवाएँ जुटाने का भी लाभ प्राप्त हुआ है। उदारीकरण का लाभ कृषि क्षेत्र में भी पहुँच रहा है, (3) कृषि उत्पादन में वृद्धि- वैश्वीकरण और कृषि के क्षेत्र में नवीन तकनीकों के द्वारा खाद्यान्नों का रिकार्ड उत्पादन हो रहा है और देश इस मामले में आत्मनिर्भर हो गया (4) परिवहन एवं संचार क्षेत्र में प्रगति - यह वैश्वीकरण और उदारीकरण का ही परिणाम है कि आज देश में परिवहन एवं संचार का क्षेत्र लगातार बढ़ता जा रहा है। 31 मार्च, 2023 रेलमार्ग की कुल लम्बाई 132,320 कि.मी. है। भारत में सड़कों की कुल लम्बाई 66.7 लाख कि.मी. है तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 1,79,535 कि.मी. हैं। A glimpse of the effects of this new economy arising as a result of globalization in India can be presented as follows - (1) Increase in national income – Globalization and liberalization have increased the national and per capita income of India. The country's national income (at current prices) was Rs 40,31,881 crore in 2007-08, which has increased to Rs 274 lakh crore in 2022-23. (2) Development of industries - Foreign capital investment has helped a lot in increasing domestic capital investment to achieve higher rate of economic growth. (3) Increase in agricultural production – Due to globalization and new technologies in the field of agriculture, record production of food grains is taking place and the country has become self-reliant in this matter. (4) (4) Progress in transport and communication sector - It is the result of globalization and liberalization that today the sector of transport and communication is continuously increasing in the country. By March 31, 2023, the total length of railways would be 132,320 km. Is. The total length of roads in India is 66.7 lakh km. and National Highway is 1,79,535 km. Area.	1+1+ 1+1
35	पर्यावरणीय आन्दोलन प्रायः आर्थिक और पहचान के मुद्दों को भी साथ लेकर चलते है। स्पष्ट कीजिये। Environmental movements often also carry economic and identity issues. Please Explain.	4

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर	समाज में पर्यावरण के बारे में अब एक नवीन चेतना उत्पन्न होने से विभिन्न समाजों में जो नए आन्दोलन आरम्भ हुए, उन्हीं को हम पर्यावरणीय आन्दोलन (Environmental Movement) अथवा पारिस्थितिक आन्दोलन (Ecological Movement) कहते हैं। पर्यावरणीय आन्दोलन भारत में एक नयी अवधारणा नहीं है। भारत में इसका आरम्भ स्वतन्त्रता से पहले ही हो चुका था। ब्रिटिश काल में भारत में परिवहन के साधनों तथा उद्योग-धन्धों का अनियन्त्रित विकास हुआ। खनिज पदार्थों तथा वन-सम्पदा का बुरी तरह दोहन होने से पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ। स्वतन्त्रता के बाद भी देश की विभिन्न नदियों पर बड़े-बड़े बाँधों का निर्माण, सिंचाई के लिए नहरों की व्यवस्था, भूमिगत खनिज पदार्थों के अत्यधिक उत्खनन, नए-नए औद्योगिक नगरों के निर्माण, जनसंख्या-वृद्धि, कृषि में रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग आदि होने से प्रकृति सन्तुलन बिगड़ने लगा। देश की प्रमुख नदियाँ, जैसे गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, कृष्णा, कावेरी आदि प्रदूषित होने लगीं। वायु और जल प्रदूषण के कारण श्वांस सम्बन्धी रोग, चर्म रोग, रक्तचाप, हृदय रोग एवं मानसिक रोग बढ़ने लगे। प्रकृति के इस अंधाधुन्ध दोहन का प्रभाव सिर्फ मानव स्वास्थ्य पर ही नहीं हुआ बल्कि प्रकृति का पारिस्थितिकीय संतुलन भी बिगड़ने लगा। अकाल, अति-वर्षा, तापमान में निरन्तर वृद्धि एवं मौसम में अनियमितता पारिस्थितिकीय चक्र के असन्तुलित होने का ही परिणाम है। इन्हीं प्राकृतिक विषमताओं एवं औद्योगिक विकास के कारण उत्पन्न हुए वायु, जल, ध्वनि तथा मृदा प्रदूषण को दूर करने के लिए अनेक आन्दोलन किये जाने लगे। पर्यावरण आन्दोलन के मुख्य उद्देश्य पाँच हैं - (1) पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ाने वाली दशाओं पर नियंत्रण रखना, (2) वन्य जीवों का संरक्षण करना, (3) नदियों की स्वच्छता के लिए प्रयत्न करना, (4) पेड़ों के कटान को रोकना तथा नए पेड़ लगाना, (5) पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखना। इस प्रकार यह आन्दोलन आर्थिक अस्तित्व एवं पहचान के मुद्दों को साथ लेकर चलते हैं। Due to the emergence of a new consciousness about the environment in the society, the new movements that started in different societies are called environmental movements or ecological movements. Environmental movement is not a new concept in India. It had started in India even before independence. During the British period, there was uncontrolled development of means of transport and industries in India. Due to severe exploitation of minerals and forest resources, there was huge damage to the environment. Even after independence, construction of big dams on various rivers of the country, arrangement of canals for irrigation, excessive excavation of underground minerals, construction of new industrial cities, population growth, excessive use of chemical fertilizers in agriculture etc. Due to this the balance of nature started deteriorating. This indiscriminate exploitation of nature not only affected human health but the ecological balance of nature also started deteriorating. Famine, excessive rainfall, continuous increase in temperature and irregularities in weather are the results of imbalance of ecological cycle. Many movements were started to remove air, water, noise and soil pollution caused by these natural inequalities and industrial development. The main objectives of the environmental movement are five - (1) To control the conditions that increase environmental pollution, (2) To conserve wild animals, (3) To make efforts for the cleanliness of rivers, (4) Stopping the cutting of trees and planting new trees, (5) Maintaining environmental balance. Thus, these movements carry with them the issues of economic survival and	4

Download from www.MsEducationTv.com

	भाग – 4 **PART – D**	

Download from www.MsEducationTv.com

36 नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िये और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

जनसंख्या की वृद्धि की दर भरण-पोषण के संसाधनों के जनसंख्या में होने वाली वृद्धि की दर से सदा आगे रहती है, इसलिए समृद्धि को बढ़ाने का एक ही तरीका है। कि जनसंख्या की वृद्धि को नियंत्रित किया जाए। दुर्भाग्वश, मनुष्यों में अपनी जनसंख्या को स्वेच्छापूर्वक घटाने की एक सीमित क्षमता ही होती है। (कृत्रिम विरोधों द्वारा जैसे कि बड़ी उम्र में विवाह करने या यौन संयम रखकर अथवा ब्रह्मचार्य का पालन करते हुए सीमित संख्या में बच्चे पैदा किए जाएँ। माल्यस का विश्वास था कि अकालों और बिमारियों के रूप में जनसंख्या वृद्धि को रोकने के प्राकृतिक निरोध अनिवार्य होते हैं। क्योंकि वे ही खाद्य आपूर्ति ओर बढ़ती हुई जनसंख्या के बीच असंतुलन को रोकने के प्राकृतिक उपाय है। उदारवादी और मार्क्सवादी विद्वानों ने माल्थस के इस विचार की आलोचना की, कि गरीबी का कारण जनसंख्या वृद्धि है। आलोचकों का कहना था कि बजाय आर्थिक संसाधनों के असमान वितरण के कारण होती है।

आयु संरचना में अपेक्षाकृत छोटी आयु के वर्गों की ओर जो झुकाव पाया जाता है। उसे भारत के लिए लाभकारी माना जाता है। पिछले दशक में पूर्व एशियाई अर्थव्यस्थाओं की तरह और आज के आयरलैंड की तरह यह समझा जाता कि भारत को भी 'जनसंख्यिकीय लाभांश' का फायदा मिल रहा है। यह लाभांश इस तथ्य के कारण मिल रहा है। कि कार्यशील लोगों की वर्तमाना पीढ़ी अपेक्षाकृत बड़ी है। एवं उसे वृद्ध लोगों की अपेक्षाकृत छोटी पीढ़ी का भरणपोषण करना पड़ा रहा है। लेकिन यह लाभ अपने आप मिलने वाला नहीं है बल्कि इसके लिए उपयुक्त नीतियों का सोच-समझकर पालन करना होगा।

1. आयु संरचना से क्या तात्पर्य है? 2
2. जनसंख्या की वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए माल्थस ने कौन से कृत्रिम और प्राकृतिक निरोध बताए है? 2
3. उदारवादी और मार्क्सवादी विद्वानों ने माल्थस की आलोचना किस आधार पर की की। 2

Read the passage given below and answer the following questions:-

The rate of growth of population is always ahead of the rate of growth of population of resources of subsistence, hence there is only one way to increase prosperity. That population growth should be controlled. Unfortunately, humans have only a limited ability to voluntarily reduce their population. (By artificial constraints such as limiting the number of children to be produced by marrying at an older age or by maintaining sexual abstinence or practicing celibacy.) Malyas believed that natural checks on population growth in the form of famines and diseases were necessary. Because they are the only natural way to prevent the imbalance between food supply and increasing population. Liberal and Marxist scholars criticized Malthus's idea that poverty is caused by population growth. Critics say it is instead caused by unequal distribution of economic resources.

The inclination that is found in the age structure towards relatively younger age groups. It is considered beneficial for India. Like the East Asian economies in the last decade and like Ireland today, India too was considered to be benefiting from the 'demographic dividend'. This dividend is being received due to this fact. That the present generation of working people is relatively large. And he has had to support a relatively small generation of elderly people. But this benefit is not going to come automatically but for this, appropriate policies will have to be followed thoughtfully.

1. What is meant by age structure?
2. Which artificial and natural restraints have been suggested by Malthus to control the growth of population?
3. On what basis did liberal and Marxist scholars criticize Malthus?

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर	1.जनसंख्या अध्ययनों में, आयु वितरण (जिसे आयु संरचना भी कहा जाता है) का तात्पर्य जनसंख्या में विभिन्न आयु समूहों में लोगों की आनुपातिक संख्या से है। 2. कृत्रिम उपाय - बड़ी उम्र में विवाह, यौन संयम, ब्रह्मचार्य का पालन आदि प्राकृतिक निरोध - अकाल, भूकंप, बाढ़, महामारी आदि 3. उदारवादी और मार्क्सवादी विद्वानों ने माल्थस के इस विचार की आलोचना की, कि गरीबी का कारण जनसंख्या वृद्धि है। आलोचकों का कहना था कि बजाय आर्थिक संसाधनों के असमान वितरण के कारण होती है। 1. In population studies, age distribution (also called age structure) refers to the proportional number of people in different age groups in a population. 2. Artificial measures – marriage at an older age, sexual abstinence, observance of celibacy etc. Natural disasters – famine, earthquake, flood, epidemic etc. 3. Liberal and Marxist scholars criticized Malthus's idea that population growth is the cause of poverty. Critics say it is instead caused by unequal distribution of economic resources.	2 2 2
37	लिंग आधारित भेदभाव जैविक है या सामाजिक । उदाहरण सहित समझाईये । **अथवा** टिप्पणी करें – 1. सुल्ताना ड्रीम 2. स्त्री पुरुष तुलना Is gender based discrimination biological or social ? Explain with examples. Or Make a comment - 1. Sultana Dream 2. Stri Purush Tulana	4 + 2 3 +3

Download from www.MsEducationTv.com

उत्तर	* **पुस्तक 'स्त्री-पुरुष तुलना' -** की रचना ताराबाई शिन्दे एक मराठी गृहिणी ने की थी। उन्होंने इस पुस्तक में समाज में व्याप्त पुरुष प्रभुत्व के दोहरे मापदण्ड पर चोट की है। पुस्तक में प्रस्तुत मामले के अनुसार एक ब्राह्मण विधवा युवती को एक स्थानीय कोर्ट ने इसलिए मौत की सजा सुना दी, क्योंकि उसने अवैध सम्बन्धों के परिणामस्वरूप उत्पन्न अपने नवजात शिशु की हत्या कर दी थी। जबकि शिशु के अवैध पिता का पता लगाने या उसे सजा देने के मामले में कोर्ट मौन रहा। यहाँ विचारणीय प्रश्न यह है कि कोर्ट ने इस मामले में यह जानने का प्रयास क्यों नहीं किया कि अवैध शिशु का पिता कौन था? इस अवैध बच्चे को पैदा करने में वह पुरुष भी तो बराबर का भागीदार (अपराधी) था। एक समान जुर्म के लिए महिला को मौत की सजा और पुरुष को छुआ तक नहीं गया। यह कैसा न्याय? यह कैसा दोहरा मापदण्ड है? इस पुस्तक के प्रकाशन के बाद समाज में भूचाल सा आ गया था। सभी ने इस दोहरे पुरुषवादी मापदण्ड की भर्त्सना की थी। * **पुस्तक 'सुल्ताना का सपना' -** की लेखिका बेगम रोकिया सखावत हुसैन हैं जो एक सम्पन्न बंगाली मुस्लिम परिवार से थीं। उन्होंने उर्दू, बंगाली और अंग्रेजी भाषा में शिक्षा ग्रहण की थी। वे उर्दू और बंगाली भाषा की एक सफल लेखिका रही हैं। उन्होंने पहली बार अपनी अंग्रेजी भाषा की योग्यता को परखने के लिए 1905 में 'सुल्ताना का सपना' नामक पुस्तक की रचना की थी। यह उल्लेखनीय संक्षिप्त रचना भारत में प्रकाशित साइंस फिक्शन का प्रारम्भिक उदाहरण था। इतना ही नहीं, अपनी इस पुस्तक के बाद वे विश्वभर में पहली महिला लेखिका के रूप में जानी गईं। इस पुस्तक में उन्होंने अपने एक ख्वाब का चित्रण किया है। ख्वाब या सपने में 'सुल्ताना' नाम का एक चरित्र एक जादुई दुनिया में प्रवेश करता है, जहाँ उसे लोगों की भूमिकाएँ बदली नजर आती हैं। यानी पुरुष घरेलू कार्यों में लगे हुए हैं और 'पर्दा' धारण किए हुए है जबकि महिलाएँ विभिन्न प्रकार की सांडस खोजों में व्यस्त हैं। कोई महिला ऐसा उपकरण इजाद करने में लगी हुई, लेखिका ने अपनी इस पुस्तक में सपने के माध्यम से महिलाओं के गुणों और उनकी क्षमताओं को उजागर करने के साथ-साथ समाज में महिलाओं को पुरुषों से ऊँचा दर्जा देने की कोशिश की है। * **The book 'Comparison of Men and Women'** was written by Tarabai Shinde, a Marathi housewife. In this book, he has attacked the double standards of male dominance prevalent in the society. According to the case presented in the book, a Brahmin widow was sentenced to death by a local court because she had killed her newborn child born as a result of illicit relations. Whereas the court remained silent on the matter of finding out or punishing the illegal father of the child. The question to be considered here is why the court did not try to find out in this case who was the father of the illegitimate child? The man was also an equal partner (criminal) in giving birth to this illegitimate child. For the same crime, the woman was given the death penalty and the man was not even touched. What kind of justice is this? What kind of double standards is this? After the publication of this book, there was an earthquake in the society. Everyone condemned this double male standard. * **The author of the book 'Sultana Ka Sapna'** is Begum Rokia Sakhawat Hussain, who belonged to a prosperous Bengali Muslim family. He received education in Urdu, Bengali and English languages. She has been a successful writer in Urdu and Bengali languages. He first composed a book named 'Sultana Ka Sapna' in 1905 to test his English language ability. This remarkable short work was an early example of science fiction published in India. Not only this, after this book she became known worldwide as the first female writer. In this book he has depicted one of his dreams. In a dream or dream, a character named 'Sultana' enters a magical world, where she sees people's roles reversed. That is, men are engaged in household work and are wearing 'Purda' while women are busy in various types of sands searches. A woman is engaged in inventing such a device. In this book, the author has tried to highlight the qualities and capabilities of women through dreams and has also tried to give women a higher status than men in the society.	3 3

Download from www.MsEducationTv.com

38	लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण क्या है ? पंचायती राज की त्रिस्तरीय प्रणाली का वर्णन करें । अथवा सामाजिक परिवर्तन में पंचायती राज की भूमिका का वर्णन कीजिये । What is democratic decentralization? Describe the three-tier system of Panchayati Raj. Or Describe the role of Panchayati Raj in social change.	2 + 4 6
उत्तर	**लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण (Democratic Decentralisation) -** लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभिन्न स्तरों पर क्रिया-कलापों के लिए विकेन्द्रीकरण अति आवश्यक है। 'विकेन्द्रीकरण' (De-centralisation) का तात्पर्य संस्थाओं तथा संगठन निर्णय के अधिकार के निचले वर्ग की सहभागिता है। इस प्रकार की सहभागिता लोकतांत्रिक सिद्धान्तों पर आधारित होती है। विकेन्द्रीकरण के कई रूप हैं, जैसे राजनीतिक, प्रशासनिक तथा आर्थिक विकेन्द्रीकरण पारम्परिक रूप से सामाजिक आर्थिक रूप से कमजोर तथा वंचित वर्गों को शक्ति सम्पन्न बनाता है। सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करने में सत्ता का विकेन्द्रीकरण बहुत मायने रखता है। आज पंचायती राज व्यवस्था लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का एक उत्तम उदाहरण है। **पंचायजी राज व्यवस्था का त्रिस्तरीय स्वरूप (The Three-Tier System of Panchayati Raj Institution) -** **जिला स्तर पर जिला परिषद** **खण्ड स्तर पर पंचायत समिति** **ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत** **Democratic Decentralization -** In a democratic system, decentralization is very important for activities at different levels. 'De-centralisation' means the participation of the lower class in the authority of institutions and organizational decisions. This type of participation is based on democratic principles.There are many forms of decentralization, such as political, administrative and economic decentralization traditionally empowers the socio-economically weak and deprived sections. Decentralization of power matters a lot in implementing government schemes and programs. Today the Panchayati Raj system is a good example of democratic decentralization. **The Three-Tier System of Panchayati Raj Institution -** **Zila Parishad at district level** **Panchayat Samiti at block level** **Gram Panchayat at village level**	2 4

Download from www.MsEducationTv.com